रामगंजमंडी (कोटा, राजस्थान) में आयोजित होने वाले "खेल महोत्सव फाइनल" के दौरान माननीय अध्यक्ष का भाषण

———

मुझे आज "खेल महोत्सव फाइनल" के इस समारोह में आप सभी के बीच आकर बहुत खुशी हो रही है। युवाओं को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "खेल महोत्सव" का आयोजन करने के लिए आपने जो अथक प्रयास किए हैं, उनके लिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं। खिलाड़ियों को हर संभव सहायता प्रदान करना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्राथमिकता है। मैं इस प्रकार के आयोजनों के लिए आप सभी को बधाई देता हूं क्योंकि इससे न केवल इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी खेलों को बढ़ावा मिलेगा, अपितु हमें एक स्वस्थ और सक्षम भारत की दिशा में आगे बढ़ने में भी सहायता मिलेगी।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि खेल-कूद में भारत का एक समृद्ध इतिहास रहा है जो हजारों वर्ष पुराना है। पासे के खेल का उल्लेख प्रसिद्ध भारतीय महाकाव्य महाभारत में मिलता है। ऐसा माना जाता है कि शतरंज की उत्पत्ति भी भारत में ही हुई थी। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तीरंदाजी, कुश्ती, तलवारबाजी और मुक्केबाजी का उल्लेख किया गया है। तैराकी, दौड़ और गेंद के खेल नालंदा और तक्षशिला के प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के छात्रों में अत्यंत लोकप्रिय थे। यह स्पष्ट है कि आज ओलंपिक के कई खेल प्राचीन भारत में प्रचलित खेलों के ही शहरी संस्करण हैं। आज का भारत असीम संभावनाओं का देश है।

हमारा देश एक युवा देश है और हमारे यहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का सपना भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने का है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आज भारत सरकार स्थानीय स्तर पर खेल सविधाएं विकसित करने पर पूरा जोर दे रही है। वर्तमान में हमारा देश विद्यालयों, छोटे कस्बों और शहरों में खेलों को बढ़ावा देने के समग्र दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है।

मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले नौ वर्षों में भारत में खेलों के एक नए युग की शुरूआत हो चुकी है। अब बात भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने तक सीमित नहीं है अपितु यह समय खेलों के माध्यम से सामाजिक सशक्तिकरण का भी है।

आज खेल-कूद की गतिविधियों और विभिन्न खेलों को लेकर लोगों की सोच में बहुत बड़ा बदलाव आया है। आज मध्यमवर्गीय परिवारों और गांव देहात से आने वाले बच्चे राष्ट्रीय खेलों और विद्यालय, जोन, क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में भाग लेकर इतिहास रच रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारे देश को नए-नए चैंपियन मिलते रहेंगे क्योंकि यही खिलाड़ी आगे चलकर नए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। आज, जीवन में उन्नति करने के लिए खेलों को एक पेशे के रूप में भी अपनाया जा रहा है।

हमारे देश में खेलों के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्थानीय स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने, खेल

सुविधाएं विकसित करने, उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करने और एक ऐसी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया है जिसमें महिलाओं, दिव्यांगजनों और दूर-दराज के क्षेत्रों में रह रहे युवाओं को समान अवसर उपलब्ध हो सकें।

उनकी इस पहल के कारण ही खेलो इंडिया योजना, फिट इंडिया मूवमेंट, टारगेट ओलंपिक पोडियम, मिशन ओलंपिक सेल आदि जैसी विशेष योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत हुई है। देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दृष्टि से ये कार्यक्रम बहुत सफल सिद्ध हुए हैं और देश भर में इनकी काफी सराहना हुई है।

माननीय प्रधानमंत्री ने खेलों के क्षेत्र में नए उत्साह का संचार किया है और वर्ष 2014 के बाद भारत ने खेलों के इतिहास में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

भारत सरकार ने वर्ष 2016 में खेलो इंडिया नामक एक प्रमुख कार्यक्रम की शुरूआत की जिसका उद्देश्य देश में खेल जगत में व्यापक बदलाव लाना और खेलों की दुनिया में भारत की एक विशेष पहचान बनाना है। आज विभिन्न खेलों से जुड़े एथलीट और खिलाड़ी आईपीएल, प्रो कबड्डी लीग आदि जैसी खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। हमारी सरकार खेल सुविधाओं के विकास में सरकारी-निजी भागीदारी को बढ़ावा देते हुए देश में विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं के निर्माण पर बल दे रही है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत सरकार, खेलों और युवाओं से जुड़े

मामलों पर विशेष ध्यान दे रही है और इस क्षेत्र को पूरा समर्थन देते हुए देश में एक नए उत्साह का संचार कर रही है।

वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में खेलों और युवाओं से जुड़े मामलों पर अत्यधिक बल दिया गया है। विगत वर्षों के दौरान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के बजट आवंटन में कई गुणा वृद्धि की गई है। वर्ष 2004-2005 में मंत्रालय को 466 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसे बढ़ाकर 3397.32 करोड़ रुपये कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप, पूरे देश में खेल सुविधाएं विकसित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

हमारी योजनाओं में ज़मीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने पर अधिक बल दिया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप आज हमारे खिलाड़ी खेलों के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहचान एक तेजी से विकसित होते हुए देश के रूप में हो रही है और देश में आर्थिक विकास के साथ साथ जन कल्याण पर भी समान रूप से बल दिया जा रहा है।

नागरिकों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेलों का महत्व प्रतिस्पर्धा और पदक जीतने तक ही सीमित नहीं है अपितु खेलों से एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा मिलता है जो लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देती है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के अलावा खेलों से हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने में भी मदद मिलती है। भारत खेलों में अपने प्रदर्शन से वैश्विक स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आज का यह कार्यक्रम इस बात

का प्रमाण है कि बड़ी संख्या में युवा खेल कूद प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं।

खेल-कूद हमारे युवाओं के जीवन का अहम हिस्सा होना चाहिए। खेल-कूद व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत ने कई उपलब्धियां हासिल कीं, जो खेल और खेल अवसंरचना के विकास और हमारे खिलाड़ियों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में किए गए प्रयासों का परिणाम थीं। ओलंपिक्स में भारतीय टीम की उपलब्धियां खेल जगत में नए भारत के नए हौसलों की परिचायक हैं। इन खेलों में यह सिद्ध हो गया कि धैर्य और दृढ़ निश्चय से हम कोई भी लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

खेल सभी को एकता के सूत्र में बांधते हैं क्योंकि हमारे खिलाड़ी भारत की चारों दिशाओं से, गांवों और शहरों से आकर एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इन खिलाड़ियों की यात्रा उनकी प्रतिभा की अनूठी गाथा है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत सरकार ने ओलंपिक्स और एशियन गेम्स जैसी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारत के प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए कई पहल की हैं।

इनमें 24 खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स (एसएलकेआईएससीई) शामिल हैं जो पूरे देश में शुरू किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता योजना के माध्यम से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है और प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर दिया जाता है।

टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के अंतर्गत ओलंपिक गेम्स और एशियन गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने के लक्ष्य को ध्यान में

रखते हुए उपयुक्त प्रशिक्षण दिया जाता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नेशनल वेलफेयर फंड के माध्यम से ज़रूरतमन्द खिलाड़ियों को और जिन खिलाड़ियों की मृत्यु हो गई है, उनके परिवारों को 5 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

मुझे पूरा विश्वास है कि एक युवा राष्ट्र होने के नाते भारत खेलों में और भी बेहतर प्रदर्शन कर नई ऊंचाइयों को छू सकता है। लेकिन वांछित सफलता हासिल करने के लिए हमें स्थानीय स्तर पर तैयारी शुरू करनी पड़ेगी। हमें कोटा सहित राजस्थान के सभी शहरों, नगरों, उपनगरों, कस्बों आदि में खिलाड़ी तैयार करने होंगे।

मैं सभी युवाओं से अपील करता हूं कि वे खेलों को अपने व्यक्तित्व के विकास का माध्यम बना लें ताकि वे किसी भी स्थिति का सामना करने और जीवन में किसी भी चुनौती पर जीत हासिल करने में सक्षम हो सकें।

भारत सरकार हमारे खिलाड़ियों और युवाओं को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और इस दिशा में विभिन्न पहल भी की गई हैं।

मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अप्रैल 2022 में खेलो इंडिया अभियान के तहत राजस्थान के चुरू जिले को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता हेतु प्रधानमंत्री पुरस्कार मिला है।

'खेल महोत्सव फाइनल' के अवसर पर मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं एक बार फिर से आपको धन्यवाद देता हूं। हमारे युवाओं की खेल प्रतिभा की पहचान करने और निखारने के लिए एक उत्तम मंच उपलब्ध कराने के लिए मैं आयोजकों को बधाई देता हूं। इस तरह के आयोजनों से कोटा के

खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्राप्त होगा जिससे देश भी गौरवान्वित होगा। मैं आपके सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं।